vinetur

फ्रांसीसी अदालत ने Sazerac इकाई को 40 उत्पादकों के साथ Cognac आपूर्ति अनुबंधों का पालन करने का आदेश दिया

यह फैसला Charente में चार फसलों तक सुरक्षा देता है, क्योंकि उत्पादकों ने बहुवर्षीय समझौतों को रद्द करने की कोशिश को चुनौती दी थी।

शुक्रवार, 25 सितंबर 2026



Angoulême की एक वाणिज्यिक अदालत ने Sazerac de Segonzac, अमेरिकी ड्रिंक्स समूह Sazerac की फ्रांसीसी सहायक कंपनी, को फ्रांस के Charente क्षेत्र के लगभग 40 winegrowers के साथ बहुवर्षीय आपूर्ति अनुबंधों का पालन जारी रखने का आदेश दिया है। यह फैसला cognac बाजार में गहरी मंदी के बीच उत्पादकों के लिए कई फसलों की रक्षा कर सकता है।

Angoulême Commercial Court द्वारा मंगलवार को दिए गए इस फैसले में उन उत्पादकों के पक्ष में निर्णय आया, जिन्होंने इस वर्ष की शुरुआत में Sazerac के उस कदम को चुनौती दी थी जिसमें Cognac AOC उत्पादन में इस्तेमाल होने

वाली शराब से जुड़े समझौतों को समाप्त करने की कोशिश की गई थी। Entrevue के अनुसार, इस फैसले का मतलब है कि कुछ vineyards को अब तक चार वर्षों की फसलें उन अनुबंधों के तहत सुरक्षित मिल गई हैं, जिन्हें कंपनी समाप्त करना चाहती थी।

यह विवाद cognac के लिए एक कठिन समय पर सामने आया है, जो फ्रांस की सबसे अधिक निर्यात-निर्भर स्पिरिट श्रेणियों में से एक है। उत्पादक और व्यापारी, spirits की वैश्विक मांग में नरमी, चीन और अमेरिका दोनों से जुड़े व्यापार तनाव, तथा वर्षों की बेहतर बिक्री के बाद जमा हुए भारी stocks से जूझ रहे हैं। जो अनुबंध कभी बड़े cognac houses को आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करते थे, वे बाजार के ठंडा पड़ने के साथ अब समायोजित करना कठिन हो गए हैं।

Cognac AOC के लिए General Union of Winegrowers, जो लगभग 2,000 उत्पादकों और vineyard क्षेत्र के करीब 66.7% का प्रतिनिधित्व करता है, ने तर्क दिया कि Sazerac की वापसी अचानक थी और इसे केवल बाजार में गिरावट के आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता। यूनियन ने कहा कि खरीद प्रतिबद्धताओं ने निवेश निर्णयों और संबंधित farms की परिचालन संरचना को आकार दिया था। उत्पादकों के लिए, vineyard planting, रखरखाव, उपकरण खरीद और अन्य स्थिर लागतों में खरीदार के रुख बदलने पर जल्दी कटौती नहीं की जा सकती।

लगता है कि अदालत ने इस बिंदु को महत्व दिया। अपने प्रारंभिक फैसले में, अदालत ने अनुबंधीय प्रतिबद्धताओं की बाध्यकारी प्रकृति को प्राथमिकता दी और कम-से-कम फिलहाल, इस तर्क को खारिज कर दिया कि मौजूदा बाजार परिस्थितियां प्रदर्शन से छूट देने के लिए पर्याप्त थीं।

Sazerac ने कहा है कि वह इस फैसले को चुनौती देगा। बुधवार को समूह ने घोषणा की कि वह अपील करने की योजना बना रहा है और उसका तर्क है कि बाजार की स्थिति इतनी तेजी से बिगड़ गई है कि अनुबंधों को कानूनी रूप से निभाना असंभव हो गया है। कंपनी ने अतिरिक्त stocks, spirits की वैश्विक खपत में सुस्ती, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार तनावों का हवाला दिया। उसने यह भी कहा कि उसने Charente क्षेत्र के लगभग 40 अन्य winegrowers के साथ सौहार्दपूर्ण समझौते कर लिए हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि आपूर्ति व्यवस्था में संशोधन के उसके सभी प्रयास मुकदमेबाजी तक नहीं पहुंचे।

यह मामला सीधे तौर पर शामिल farms से कहीं आगे ध्यान आकर्षित कर रहा है, क्योंकि यह beverage व्यवसाय के एक बुनियादी प्रश्न को छूता है : मांग अचानक गिरने पर दीर्घकालिक कृषि आपूर्ति अनुबंधों को कितनी दूर तक लागू कराया जा सकता है। cognac में, wineries और व्यापारी इन समझौतों का उपयोग भविष्य की मात्रा सुरक्षित करने के लिए करते हैं, जबकि उत्पादक अक्सर vineyard कार्यों के वित्तपोषण और वर्षों आगे उत्पादन योजना बनाने के लिए उन पर निर्भर रहते हैं। जो फैसला इन अनुबंधों को दृढ़ता से बरकरार रखता है, वह बाजार कमजोर होने पर wine और spirits आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पादकों, distillers और ऋणदाताओं के जोखिम आकलन को प्रभावित कर सकता है।

व्यापक cognac क्षेत्र पहले से ही आपूर्ति और मांग के असंतुलन से निपटने के लिए असामान्य कदम उठा रहा है। Entrevue के अनुसार, उद्योग की व्यापार संस्था ने वसंत में उत्पादन क्षमता घटाने और समय के साथ बाजार को फिर से संतुलित करने में मदद के लिए एक अस्थायी vine-pull कार्यक्रम शुरू किया। यह उपाय मंदी की गंभीरता को दर्शाता है। लेकिन लंबे समय के प्रतिबद्धताओं से बंधे उत्पादकों के लिए, तत्काल अनुबंध रद्दीकरण अभी भी उस चीज़ के बीच तीखा असंतुलन पैदा कर सकता है जिसे वे पैदा कर सकते हैं और जिसे खरीदार लेने को तैयार हैं।

इसलिए कानूनी लड़ाई एक अकेले वाणिज्यिक विवाद से कहीं अधिक पर केंद्रित है। यह पूछती है कि क्या विस्तार के दौर में बहुवर्षीय मात्रा प्रतिबद्धताएं करने वाला खरीदार बाद में बिक्री गिरने पर पीछे हट सकता है, या मंदी का वित्तीय बोझ उस पक्ष पर ही रहना चाहिए जिसने वादा किया था। Charente के उत्पादकों के लिए, इसका उत्तर निकट अवधि की नकदी प्रवाह स्थिति और उन निवेशों के मूल्य को प्रभावित करता है जो पहले ही उन लताओं में किए जा चुके हैं जिन्हें जल्दी किसी और काम में नहीं लगाया जा सकता।

अब Sazerac की अपील मामले को एक नए चरण में ले जाएगी। अगली अदालत को तय करना होगा कि कंपनी द्वारा बताए गए असाधारण हालात क्या उन समझौतों को पलटने के लिए पर्याप्त हैं, जिन्हें निचली अदालत ने लागू करने योग्य माना था। तब तक, यह फैसला एक ऐसे cognac उद्योग में, जिस पर भारी दबाव है, अनुबंधिक निश्चितता की एक महत्वपूर्ण परीक्षा के रूप में कायम है।